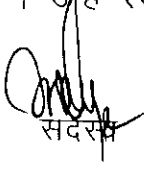
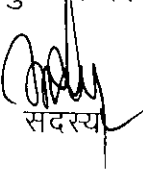


XXXIX (a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक रेस्टो.2256-दो/15

जिला-रीवा

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
23-7-15	<p>प्रकरण शीघ्र सुनवाई के आवेदन पर आज प्रस्तुत । आवेदक की ओर से श्री एस.पी.धाकड, अभि. उप. । उन्हें रेस्टोरेशन आवेदन पर सुना गया । प्रकरण आदेशार्थ ।</p>	 सदस्य
3-8-15	<p>प्रकरण का अवलोकन किया एवं आवेदक अभि. के तर्कों पर विचार किया । विचारोपरान्त रेस्टोरेशन के संबंध में बताए गए कारण समाधानकारक होने के कारण मूल प्रकरण क्रमांक आर.1820-तीन/14 पुनः नम्बर पर लिया जाता है । यह प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो ।</p>	 सदस्य

न्यायालय :- माननीय राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

प्रक 1820/2015 रेस्टो

22/10 2256-II-15

- 1 करतूरी लाल पुत्र मुन्नालाल
 - 2 प्रमोद कुमार पुत्र अमृतलाल
 - 3 जवाहरलाल
 - 4 मोहनलाल
 - 5 सुमनलाल
 - 6 शिवदयाल
- पुत्रगण स्व. श्री मोतीलाल
निवासी ग्राम बरोली ठकुरान
तह. जवा जिला शीवा म.प्र.

विरुद्ध ----- आवेदकगण

- 1 बाबूलाल पुत्र स्व. मुन्नालाल निवासी ग्राम बरोली ठकुरान तह. जवा जिला शीवा म.प्र.
 - 2 हल्का पटवारी जवा जिला शीवा म.प्र.
- अनावेदकगण

सहिता की धारा 35(3) के अधीन आवेदन पत्र वारते मूल प्रकरण को पुनः नम्बर पर लिये जाने बावत्

मान्यवर,

आवेदकगण की ओर से आवेदन पत्र निम्न प्रकार पेश है :-

1. यह कि अधीनस्थ न्यायालय के आदेश के विरुद्ध माननीय न्यायालय के समक्ष एक निगमनी प्रस्तुत की है। उक्त निगमनी में प्रकं 1820/2014 में पेशी दिनांक 27.03.2015 में नियत थी। आवेदकगण के अभिभाषक ग्वालियर से बाहर गये थे। अतः उक्त निगमनी अभिभाषक श्री डी.एस. चौहान को दूर भाष पर अवगत कराया गया। श्री चौहान के न्यायालय में नियत है। उन्हें अवगत करा देना कि नियत नहीं पर उपस्थित नहीं हो सकूंगा। फिर भी माननीय न्यायालय द्वारा उक्त प्रकरण को अभिभाषक की अनुपस्थिति मानकर सहिता की धारा 35(2) अदम पैरवी में निरस्त कर दिया गया है।

2. यह कि प्रकरण को अनुपस्थिति के कारण अदम पैरवी में निरस्त कर दिया गया है। अतः अभिभाषक की त्रुटि नहीं मान सकते हैं क्योंकि प्रकरण में आवेदक अभिभाषक द्वारा उपस्थित न होकर प्रचानक जाना पडा जिसकी सूचना माननीय न्यायालय को प्राप्त नहीं पर अभिभाषक श्री डी.एस. चौहान के माध्यम से भिजवादी गई है। फिर भी माननीय न्यायालय द्वारा उक्त प्रकरण को अभिभाषक की अनुपस्थिति के कारण निरस्त कर दिया गया है। इसकी सूचना आवेदक को नहीं दी गई इस कारण उक्त आवेदन पत्र समक्ष न्यायालय में होने से मूल प्रकरण पुन न. पर लिया जाना आवश्यक है।

3. यह कि आवेदन का दिनांक 27.03.2015 को अद्यपर प्रदान किए अभिभाषक की अनुपस्थिति के कारण प्रकरण अदम पैरवी में निरस्त की धारा 35 (2) के अधीन निरस्त कर दिया गया है। इस कारण प्रकरण को निरस्त करण गुण दोषा पर पारित किया जाना उचित है।

4. यह कि आवेदन के आदेश दिनांक 27.03.2015 की जानकारी सर्वप्रथम न्यायालय में अदम पैरवी में नियत करने की तिथि चला करण पर इतना हुआ इस कारण आवेदन पत्र समक्ष न्यायालय में उपस्थित था।

अतः श्रीमान जी से विनम्र प्रार्थना है कि, प्रस्तुत आवेदन पत्र स्वीकार करते हुए अदम पैरवी में पारित आदेश दिनांक 27.03.2015 निरस्त करण गुण मूल प्रकरण को पुनः नम्बर पर लिया जाकरण प्रकरण का निराकरण गुण दोषा पर पारित करने की कृपा करें।

स्थान :- ग्वालियर

आवेदक

दिनांक :- 16/07.2015

करतूरी लाल आदि
द्वारा अभिभाषक :-